भारतीय समाज की प्रमुख विशेषताएँ

//

भारतीय समाज की प्रमुख विशेषताएँ

भारतीय समाज विविधतापूर्ण होने के साथ-साथ जटिल है, जिसमें विभिन्न जातीय, भाषाई, धार्मिक और जातिगत समूह शामिल हैं। इसमें ग्रामीण, शहरी और आदिवासी क्षेत्रों के लोग शामिल हैं, जो सभी एक समान भारतीय पहचान साझा करते हैं।

प्रमुख विशेषताएँ

सांस्कृतिक विविधता

- **हिंदू, मुसलमान, ईसाई, सिख** समुदायों एवं अन्य लोगों की बड़ी आबादी
- विभिन्न क्षेत्रों में बोली जाने वाली कई **भाषाएँ विशिष्ट महत्त्व** रखती हैं

आध्यात्मिकता और भौतिकवाद का मिश्रण

- आध्यात्मिकता और भौतिकवाद का विशिष्ट **समावेशन**, इसकी **समृद्ध सांस्कृतिक विरासत**, विविध धार्मिक प्रथाओं को विकसित बनाती है, जो इसकी **आर्थिक महत्त्वाकांक्षाओं** को दर्शाता है
- मानसिक और **भावनात्मक कल्याण** में योगदान देता है, **आंतरिक शांति** को बढ़ावा देता है

व्यक्तिवाद और सामूहिकता का मिश्रण

- **शिक्षा** और **करियर के अवसरों** तक बढ़ती पहुँच ने व्यक्तिगत आकांक्षाओं में वृद्धि की है
- लेकिन लोग अभी भी ऐसे **परिवारों** में रहते हैं जहाँ वे **संसाधनों**, जिम्मेदारियों और निर्णय लेने की प्रक्रिया को **साझा करते हैं**

जाति व्यवस्था

- **सामाजिक स्तरीकरण** संसाधनों, अवसरों और **सामाजिक गतिशीलता** तक पहुँच को प्रभावित करता है

पितृसत्ता

- **पुरुषों** के पास प्राथमिक शक्ति होती है, उन्हें महिलाओं से **अधिक दर्जा** प्राप्त होता है
- **बालक** को प्राथमिकता

त्योहार

- **सामुदायिक भावना**, आनंद और सांस्कृतिक निरंतरता को बढ़ावा देते हैं

सामुदायिक समर्थन

- **एकजुटता** को बढ़ावा देता है, जिससे **सामाजिक सामंजस्य** सुदृढ़ बनता है
- **आपसी सहायता** और सतर्कता को प्रोत्साहित करता है

मज़बूत पारिवारिक बंधन

- सांस्कृतिक और **धार्मिक परंपराओं**, रीति-रिवाज़ों और मूल्यों को बनाए रखने में सहायता करना
- बच्चों की परवरिश, बुज़ुर्गों की देखभाल और संकट के समय **सहायता करने वाली भूमिकाएँ**

कमियाँ

लैंगिक असमानता

- महिलाओं के लिये रोज़गार और **समान वेतन** जैसे **आर्थिक अवसरों** तक **कम पहुँच**
- घरेलू ज़िम्मेदारियों तक सीमित रहना और **लैंगिक हिंसा** का सामना करना

निरक्षरता और जागरूकता की कमी

- **आर्थिक असमानता** में योगदान करते हुए कमाई की क्षमता को सीमित करती है
- **असमानता** को बढ़ाती है और सामाजिक गतिशीलता को बाधित करती है

भ्रष्टाचार

- इससे **सेवाओं की गुणवत्ता** में कमी आती है, नागरिकों को आवश्यक संसाधनों से वंचित होना पड़ता है
- **सरकारी** संस्थाओं में जनता का **भरोसा** खत्म होता है, जिससे **नागरिक भागीदारी** कम होती है

अस्पृश्यता

- जाति वर्णक्रम, निचली जातियों के सदस्यों पर कठोर सामाजिक दंड लागू करता है

भारतीय समाज पर वैश्वीकरण के प्रभाव

- **एकल परिवारों** और **वृद्धाश्रमों** की संख्या में वृद्धि हो रही है,
- फास्ट फूड के कारण भोजन में समांगीयता आ रही है,
- स्कूलों में फ्रेंच, जर्मन और स्पेनिश जैसी विदेशी भाषाओं को पढ़ाया जा रहा है
- वैवाहिक संस्थाओं में **पेशेवर** और **संविदात्मक** दृष्टिकोण अपनाने से तलाक, लिव-इन रिलेशनशिप और **एकल परवरिश** में वृद्धि हो रही है।

दृष्टि The Vision
Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/salient-features-of-indian-society